www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 92 | जौनपुर शनिवार, 15 नवम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

त्रिशूल अभ्यास में उभयचर लैंडिंग ऑपरेशनों ने संयुक्त उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दक्षिणी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने गुजरात के माधवपुर समुद्र तट पर अभ्यास त्रिशूल के समापन चरण की समीक्षा की, जिसमें एकीकृत भूमि, वायु और समुद्री तत्वों के साथ उभयचर लैंडिंग ऑपरेशन देखे गए। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, त्रिशूल अभ्यास में पश्चिमी समुद्र तट, रेगिस्तानी क्षेत्र और रण एवं क्रीक क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बहु– क्षेत्रीय युद्धाभ्यास के साथ असाधारण त्रि–सेवा तालमेल और मिशन–केंद्रित एकीकरण का प्रदर्शन किया गया। मनोज तिवारी सेना कमांडर ने आईएनएस जलाश्व पर सवार होकर पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन और दक्षिण पश्चिमी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग एयर मार्शल नागेश कपूर के साथ उभयचर बलों की परिचालन तत्परता की समीक्षा की। उन्होंने समुद्रतटीय अभियान की प्रारंभिक लहर के दौरान लैंडिंग क्राफ्ट मैकेनाइज्ड (एलसीएम) द्वारा टैंक के साथ पहली इन्फैंट्री प्लाटून के प्रक्षेपण की देखरेख की। भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना के बीच निर्बाध समन्वय का प्रदर्शन किया, जिससे यथार्थवादी परिचालन स्थितियों के तहत समुद्र से जमीन तक युद्ध शक्ति प्रदर्शित करने की भारतीय सशस्त्र बलों की क्षमता को प्रमाणित किया गया।

जितिन प्रसाद करेंगे 44वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का उद्घाटन समारोह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद आज शुक्रवार को यहां के भारत मंडपम में आयोजित होने वाले 44वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला का उद्घाटन करेंगे। 19 नवंबर से आम लोगों के लिये खुलेगा। 14–18 नवंबर तक मेले में प्रवेश टिकट महंगे होंगे। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के सारथी मोबाइल ऐप से ऑनलाइन टिकट खरीदे जा सकते हैं। मेट्रो के 55 स्टेशनों पर ऑफलाइन टिकट बिक्री की व्यवस्था की गयी है पर भारत मंडपम के किसी भी गेट पर टिकट नहीं बेचे जाएंगे। पहले पांच दिन मेले में प्रवेश के लिए वयस्कों के लिए टिकट की दर 150 रुपये और बच्चों के लिए 60 रुपये रखी गयी है। 19 नवंबर से 27 नवंबर तक वयस्कों के लिए टिकट 80 रुपये और बच्चों के लिए 40 रुपये का होगा। वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांगजन के लिए टिकट की आवश्यकता नहीं है। ऐसे लोग वैध पहचान पत्र के साथ मुफ्त प्रवेश कर सकते हैं। मेले की आयोजनकार्ता वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एजेंसी भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) ने बताया कि 14 से 27 नवंबर तक चलने वाले इस बार मेले का प्रधान संदेश है। इसमें 31 राज्य व केंद्र शासित प्रदेश, सरकार के 55 मंत्रालय और विभाग तथा 12 देशों के कारोबारी और कंपनियां हिस्सा ले रहे हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव ने लिखा नया इतिहास : पीएम मोदी

पटना, (एजेंसी)। इस बार बिहार विधानसभा चुनाव ने कई रिकॉर्ड बनाए हैं। बिहार के राजनीतिक इतिहास में पहली बार रिकॉर्ड 67. 13 प्रतिशत मतदान हुआ। सिर्फ यही नहीं, इस बार बिहार ने 'जंगल राज' से 'जीरो रि–पोलिंग' तक का सफर भी तय किया है। बिहार में किसी भी बूथ पर दोबारा मतदान की जरूरत नहीं पड़ी है। मतदान के बीच हिंसा की घटनाएं भी शून्य रही हैं। कुल मिलाकर इस चुनाव में साफ–सुथरी और हिंसा–मुक्त मतदान प्रक्रिया देखी गई है। राजद के शासन काल, जिसे विपक्ष 'जंगल राज' कहता है, में बिहार चुनावों के दौरान चुनावी धांधली और पुनर्मतदान की सबसे ज्यादा घटनाएं हुईं। चुनाव हिंसा, हत्याओं, बूथ कैप्चरिंग और फर्जी मतदान की घटनाओं से प्रभावित होते थे। आंकड़ों के अनुसार, 1985 में बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान 63 हत्याएं हुई थीं, जबकि 156 बूथों में फिर से मतदान कराने पड़े थे। 1990 के विधानसभा चुनावों में, जब कई छोटे दलों से मिलकर बनी जनता दल ने राज्य में सत्ता हासिल की, लगभग 87 मौतें हुईं। 1995 के चुनावों में, लालू यादव के नेतृत्व में जनता दल ने पिछले चुनावों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन हिंसा और चुनावी धांधली की घटनाओं में वृद्धि देखी गई। तत्कालीन चुनाव आयुक्त टीएन शेषन को अभूतपूर्व हिंसा और चुनावी धांधलियों के कारण बिहार चुनाव चार बार स्थगित करने पड़े। 2005 के चुनावों में हिंसा और कदाचार के कारण 660 मतदान केंद्रों पर दोबारा वोटिंग कराई गई थी। उस साल नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जदयू भी पहली बार सत्ता में आई थी। 2005 के बाद राज्य में कानून–व्यवस्था की स्थिति में काफी सुधार देखने को मिला और राज्य में चुनाव हिंसा और चुनावी धांधली की घटनाएं कम हुईं। इसका ताजा उदाहरण 2025 का विधानसभा चुनाव है। इस साल किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में पुनर्मतदान की मांग नहीं की गई। इसके अलावा, मतदान के समय कोई भी हिंसा की घटना नहीं हुई।

डीडीपी 44वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं का प्रदर्शन करेगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा उत्पादन विभाग (डीडीपी) 14 से 27 नवंबर, 2025 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 44वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) में एक समर्पित मंडप स्थापित करेगा। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, यह मंडप आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत प्राप्त महत्वपूर्ण परिवर्तन को उजागर करेगा, तथा रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र की बढ़ती ताकत, नवाचार और आत्मनिर्भरता को प्रदर्शित करेगा। भूमि प्रणालियों, नौसैनिक प्लेटफार्मों, एयरोस्पेस और उभरती प्रौद्योगिकियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में अत्याधुनिक उत्पादों, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों और नवाचारों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की जाएगी। रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (पक्म्) कार्यक्रम के तहत रक्षा क्षेत्र के सभी 16 सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमऔर रक्षा स्टार्ट–अप इसमें भाग लेंगे। डीडीपी मंडप का उद्देश्य भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना, उद्योग जगत में सहयोग को बढ़ावा देना और अपनी आउटरीच पहल के तहत आम जनता से जुड़ना है। भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 14 नवंबर से 27 नवंबर तक दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा।

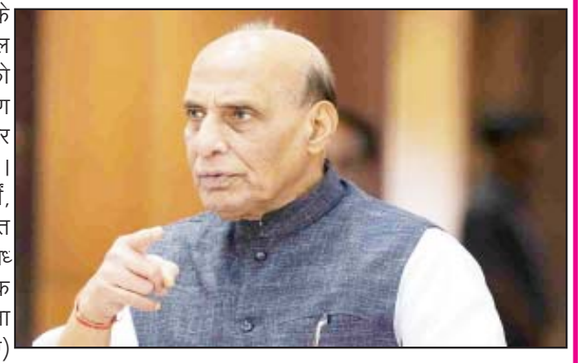

प्रधानमंत्री मोदी और नीतीश कुमार ने पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को शुक्रवार को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि।'' नेहरू का जन्म 14 नवंबर 1889 को उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में हुआ था। वह देश के स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी चेहरों में से एक थे। उन्होंने 27 मई 1964 को अंतिम सांस ली। इसके अलावा बिहार में हाल ही में हुए चुनावों में पड़े मतों की गिनती की के बीच, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को जवाहरलाल नेहरू को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस पोस्ट के बाद से सोशल मीडिया पर हलचल मच गई हैकृकुछ लोग सोच रहे हैं कि क्या जनता दल (यूनाइटेड) प्रमुख नतीजे आने के बाद एनडीए के साथ बने रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शुक्रवार सुबह अपने पूर्ववर्ती की जयंती के अवसर पर एक्स के माध्यम से इसी तरह का एक श्रद्धांजलि पोस्ट जारी किया था। कुमार के संक्षिप्त पोस्ट में लिखा था, ष्भारत के पहले प्रधानमंत्री स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती पर, मैं उन्हें अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। इसके बाद से इस पोस्ट पर नीतीश कुमार की मंशा पर सवाल उठाने वाली टिप्पणियों की बाढ़ आ गई है। एक्स पर कई टिप्पणियों में यह सवाल उठाया गया है कि क्या जेडीयू प्रमुखकृजो अपने दलबदल के लिए जाने जाते हैंकृचुनाव परिणामों की घोषणा के बाद अपनी निष्ठा बदलने की योजना बना रहे हैं। एग्जिट पोल ने सत्तारूढ़ गठबंधन की भारी जीत का अनुमान लगाया हैकृकुछ ने एनडीए को 150 से ज़्यादा सीटें मिलने का अनुमान लगाया है।

बिहार चुनाव के नतीजें आश्चर्यजनक : शिवकुमार

कर्नाटक, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिलते दिख रहे प्रचंड बहुमत की ध्वनि कर्नाटक में भी सुनाई देने लगी है। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार बिहार चुनाव नतीजों के बाद राज्य में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के लिए नई रणनीति की जरूरत महसूस कर रहे हैं। कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने बिहार चुनाव के नतीजों को पार्टी और उसके सहयोगियों के लिए एक सबक बताया। उन्होंने कहा, श्जनता ने उन्हें बहुमत दिया है। ये हमारे लिए एक सबक है। मुझे लगता है कि भविष्य में हम कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के लिए नई रणनीति तय करेंगे। बिहार चुनाव में महिलाओं को 10 हजार रुपये दिए जाने वाली योजना से एनडीए के प्रदर्शन पर असर पड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा, श्मुझे इसे देखने दीजिए। मुझे अभी इस बारे में विस्तृत रिपोर्ट नहीं मिली है। मैं रिपोर्ट मिलने के बाद ही इस पर बोल पाऊंगा। शिवकुमार का ये बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब कुछ घंटे पहले ही कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने बिहार में वोट चोरी किए जाने के आरोप लगाए थे। हालांकि, सिद्धारमैया ने माना कि बिहार में कांग्रेस–राजद की हार या एनडीए की निर्णायक जीत की वजह साफ नहीं है। बिहार में महागठबंधन के खराब प्रदर्शन के सवाल पर सिद्धारमैया ने कहा, श्हमें लोगों के जनादेश को मानना होगा। मुझे नहीं पता कि किस वजह से बिहार में हार हुई।श्र बिहार चुनाव में कांग्रेस और राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों के सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्होंने (एनडीए) यहां भी वोट चोरी की है। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के रुझानों में एनडीए बहुमत से कई कोस आगे नजर आ रहा है। वहीं, तेजस्वी यादव और राहुल गांधी के नेतृत्व वाला महागठबंधन महज 27 सीटों पर सिमटता नजर आ रहा है। गौरतलब है कि बिहार में 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान हुए थे।

अखिलेश यादव समेत विपक्षी पार्टियों ने चुनाव आयोग पर उठाए सवाल

लखनऊ, (संवाददाता)। बिहार विधानसभा चुनाव में 243 सीटों पर आए रुझानों में एनडीए बड़ी जीत की ओर बढ़ रही है, जबकि महागठबंधन को करारा झटका लगने जा रहा है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, भाजपा 90 और जेडीयू 80 सीटों पर आगे चल रही है। वहीं राजद 28 और कांग्रेस 5 सीटों पर आगे है। वहीं रुझानों को लेकर अब विपक्षी पार्टियों ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। रुझान में एनडीए को स्पष्ट बहुमत मिलने पर समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा और चुनाव आयोग पर निशाना साधा और कहा कि बिहार चुनाव के परिणामों ने एसआईआर के खेल को उजागर कर दिया है। इनकी चुनावी साजिश का अब भंडाफोड़ हो चुका है। उन्होंने कहा कि भाजपा दल नहीं छल है। अखिलेश यादव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, श्शबिहार में जो खेल एसआईआर ने किया है वो पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, यूपी और बाकी जगह पर अब नहीं हो पाएगा, क्योंकि इस चुनावी साजिश का अब भंडाफोड़ हो चुका है। अब आगे हम ये खेल इनको नहीं खेलने देंगे। सीसीटीवी की तरह हमारा 'पीपीटीवी' मतलब 'पीडीए प्रहरी' चौकन्ना रहकर भाजपाई मंसूबों को नाकाम करेगा। भाजपा दल नहीं छल है।श्शबिहार विधानसभा चुनाव पर कांग्रेस नेता उदित राज ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा, ष्यह एनडीए की नहीं, बल्कि एसआईआर और चुनाव आयोग की जीत है। इसमें वोट चोरी हुई है। हरियाणा और महाराष्ट्र में इन्होंने वोट चोरी करके सरकार बनाई। बिहार में हमने आखिर तक आपत्ति जताई, लेकिन चुनाव आयोग ने लिखित में नहीं दिया। ऐसे में नतीजे तो ऐसे ही आने ही थे।ष वहीं शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने रुझानों में एनडीए को स्पष्ट बहुमत मिलने पर भाजपा और चुनाव आयोग पर हमला बोला। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, श्शबिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम से चौंकने की जरूरत नहीं है। चुनाव आयोग और भाजपा मिलकर जो राष्ट्रीय कार्य कर रहे थे, उसे देखते हुए इससे अलग नतीजे आना संभव नहीं था। बिल्कुल महाराष्ट्र जैसा पैटर्न। जिस गठबंधन का सत्ता में आना तय था, वह 50 के अंदर ही खत्म हो गया।

इंडियन स्टेट वाले बयान को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल

संभल, (एजेंसी)। संभल के एमपीदृएमएलए कोर्ट में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विवादित बयान को लेकर दायर की गई याचिका खारिज होने के बाद अब यह मामला हाईकोर्ट में पहुंच गया है। हिंदू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिमरन गुप्ता ने शुक्रवार को हाईकोर्ट में नई याचिका दाखिल की, जिसमें उन्होंने राहुल गांधी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग दोहराई। इस याचिका में कहा गया है कि राहुल गांधी का श्इंडियन स्टेटश वाला बयान संवैधानिक संस्थाओं और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर अविश्वास पैदा करता है, इसलिए इस पर उचित एवं कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। सिमरन गुप्ता ने कहा कि वह न्याय की उम्मीद छोड़ने वाले नहीं हैं और उनकी कानूनी लड़ाई अब हाईकोर्ट में जारी रहेगी। यह पूरा विवाद उस बयान से जुड़ा है जो राहुल गांधी ने 15 जनवरी 2025 को एक कार्यक्रम के दौरान दिया था। इसमें उन्होंने कहा था कि हमारी लड़ाई भाजपा या आरएसएस से नहीं, बल्कि इंडियन स्टेट से है। राहुल गांधी के इस बयान के बाद विवाद छिड़ गया। कई नेताओं ने इसकी निंदा की। हिंदू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिमरन गुप्ता ने इसे राष्ट्र–विरोधी और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला बयान बताया। इसके बाद उन्होंने 23 जनवरी 2025 को संभल स्थित एमपी–एमएलए कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। करीब दस महीनों तक चली सुनवाई के दौरान पक्ष और विपक्ष दोनों ओर से विस्तृत बहस हुई। अदालत ने साक्ष्यों, आरोपों और कानूनी प्रावधानों पर विचार करने के बाद 7 नवंबर को यह याचिका खारिज कर दी थी, जिससे राहुल गांधी को बड़ी राहत मिली थी। सिमरन गुप्ता ने संभल के एमपीदृएमएलए कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

तरन तारन विधानसभा सीट पर आप के हरमीत सिंह संधू को मिली जीत

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब की तरन तारन विधानसभा सीट पर उपचुनाव में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार हरमीत सिंह संधू को जीत मिली है। उन्होंने शिरोमणि अकाली दल की प्रत्याशी सुखविंदर कौर को शिकस्त दी। इस जीत के बाद आम आदमी पार्टी में जश्न का माहौल है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार हरमीत सिंह संधू ने अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी सुखविंदर कौर को 12 हजार से अधिक वोटों से हराया। हरमीत सिंह संधू को 42 हजार से अधिक वोट मिले हैं, जबकि सुखविंदर कौर के पक्ष में लगभग 30 हजार वोट पड़े। उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार कर्णबीर सिंह (करीब 15 हजार वोट) और भाजपा के हरजीत सिंह संधू (लगभग 6,239 वोट) क्रमशः चौथे और पांचवें नंबर पर रहे। आम आदमी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता चंडीगढ़ में पार्टी ऑफिस पहुंचे। इन नेताओं में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया भी शामिल थे। उन्होंने उपचुनाव के नतीजों पर कहा, ष्मैं तरन तारन में श्आपश के सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं की कड़ी मेहनत के लिए उन्हें बधाई देना चाहता हूं। तरन तारन सीट पर श्आपश की जीत मेरे लिए, अरविंद केजरीवाल के लिए और पार्टी के लिए व्यक्तिगत रूप से एक बड़ी उपलब्धि है। अगर गौर से देखें तो पंजाब की जनता ने एक बार फिर अकाली दल, कांग्रेस और भाजपा को नकार दिया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बधाई देते हुए श्एक्सश पोस्ट में लिखा, ष्तरन तारन उपचुनाव में मिली इस ऐतिहासिक जीत ने साफ कर दिया है कि पंजाब की जनता को काम की राजनीति और भगवंत मान जी का ईमानदार नेतृत्व ही पसंद है। पंजाब ने एक बार फिर श्आपश पर अपना भरोसा जताया है। ये जीत जनता की जीत है, मेहनत करने वाले हर कार्यकर्ता की जीत है। पंजाब की जनता और सभी कार्यकर्ताओं को बहुत–बहुत बधाई।

प्रेम कुमार का दावा, 200 से ज़्यादा सीटें जीतेगी एनडीए सरकार

पटना, (एजेंसी)। पटना में एएनआई से बात करते हुए, प्रेम कुमार ने कहा कि बिहार के लोग बड़ी संख्या में मतदान करने आए हैं...एनडीए सभी सीटों पर आगे रहेगा और बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनेगी। मुझे पूरा विश्वास है कि एनडीए सरकार 200 से ज़्यादा सीटें जीतेगी। जनता एनडीए सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों से बहुत खुश है। बिहार के मंत्री प्रेम कुमार ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि एनडीए फिर से सरकार बनाएगी। उन्होंने दावा किया कि गठबंधन 200 से ज़्यादा सीटें जीतेगा। उन्होंने कहा कि मतदाताओं ने एनडीए का समर्थन इसलिए किया क्योंकि वे उसके विकास कार्यों से संतुष्ट हैं। पटना में एएनआई से बात करते हुए, प्रेम कुमार ने कहा कि बिहार के लोग बड़ी संख्या में मतदान करने आए हैं...एनडीए सभी सीटों पर आगे रहेगा और बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनेगी। मुझे पूरा विश्वास है कि एनडीए सरकार 200 से ज़्यादा सीटें जीतेगी। जनता एनडीए सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों से बहुत खुश है। कुमार ने राजद नेता सुनील सिंह की भी आलोचना की और उन्हें ष्हताशा में दिया गया बयानष बताया और कहा कि किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है। कुमार ने कहा कि ये बयान हताशा में दिए जा रहे हैं। उन्हें कानून पर कोई भरोसा नहीं है। चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए... वे इस तरह के बयानों से राज्य में कलह का माहौल बनाना चाहते हैं... किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है। उनकी यह टिप्पणी राजद नेता सुनील सिंह द्वारा चुनाव अधिकारियों को कड़ी चेतावनी जारी करने के बाद आई है, जिसमें उन्होंने जनादेश के साथ छेड़छाड़ करने के किसी भी प्रयास के खिलाफ चेतावनी दी थी, अन्यथा नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका की सड़कों पर जो दृश्य देखे गए, वही बिहार की सड़कों पर भी दिखाई देंगे। सिंह ने दावा किया कि 2020 के बिहार विधानसभा चुनावों में, ष्कई राजद उम्मीदवारों को जबरन हराया गया था,ष और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्कता बरतने का आग्रह किया।

संपादकीय

जवाहर लाल नेहरू और भारतीय संसद

अरविंद कुमार सिंह आजाद भारत के राजनीतिक इतिहास में 1948 से मई 1964 तक का कालखंड नेहरू युग कहा जाता है। इस दौर में संसद सबसे मजबूत संस्था के रूप में स्थापित हुई और संसदीय लोकतंत्र शिखर पर पहुंचा। इस दौरान भूमि सुधार, सहकारी खेती, बंजर और ऊसर भूमि सुधार, कृषि श्रमिकों को भूमि आवंटन, नदी घाटी परियोजनाओं पर संसद में लंबी बहसें हुईं। हाल में संपन्न बिहार के विधान सभा चुनावों में निम्न स्तरीय भाषा को लेकर जनता के बीच बहुत सी चर्चाएं चलीं। पर संविधान लागू होने के बाद जब 1951–52 में पहली लोक सभा और विधान सभाओं के चुनाव एक साथ हुए तो नेहरूजी ने अपनी भाषा को इतना संयत रखा था कि उन्होंने प्रतिपक्षी साथियों को भी विवश किया कि वे मुद्दों की बात करें। अपनी सभाओं में नेहरूजी ने कई मौकों पर कहा था कि वे श्ऐसे प्रत्याशियों को वोट दें जो सामाजिक न्याय को बढ़ाए, मनुष्य के व्यक्तित्व के गौरव और स्वतंत्रता को आगे ले जाये। धर्म और शिक्षा की स्वतंत्रता को आगे ले जाये। एक स्थान पर तो उन्होंने यहां तक कहा था कि श्गलत तरीके से जीतने से अच्छा है सही तरीके से पराजित हो जाना। पहले आम चुनावों में वे देश भर में 40,278 किमी गए जिसमें से 141 किमी का सफर नावों से किया था, 2594 किमी रेलगाड़ी और 8474 किमी सड़क से गए। बाकी यात्रा हवाई मार्ग से हुई। तब एक साथ 497 लोकसभा और 3278 विधानसभा सीटों के चुनाव हो रहे थे। वे बिहार में दिसंबर 1951 और जनवरी 1952 में कई जगहों पर गए पर अधिकतर सभाओं में मतदान के महत्व पर बल दिया। कई सभाओं में उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे परदा प्रथा का त्याग करें और पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला कर बराबरी से चलें। पिछले कई सालों से भारत के महान नायक नेहरू पर अनर्गल टीका टिप्पणियों का दौर जारी है। हाल के सालों में वे थोड़ा सकारात्मक रूप में तब याद किए गए जब एनडीए ने तीसरी पारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जीती। तब नेहरूजी से बराबरी को लेकर बहुत से प्रचार हुए। हालांकि नेहरूजी के नेतृत्व में कांग्रेस तीनों आरंभिक लोक सभा चुनावों में प्रचंड बहुमत मिला था। तीसरी पारी में भी नेहरूजी 361 सीटों पर विजयी रहे थे। नेहरूजी 17 सालों तक देश के प्रधानमंत्री रहे। अस्थायी संसद और पहली लोक सभा से 1964 तक वे लोक सभा में नेता सदन रहे। तब विपक्ष प्रतीकात्मक ही था। लेकिन वह नेहरूजी का ही कार्यकाल था जब विपक्ष को सबसे अधिक सम्मान मिला। विपक्ष की मांग पर नेहरूजी ने सरकार ने फैसलों को बदला। कांग्रेस सांसद मुदगल की सदस्यता समाप्त करा कर उन्होंने नैतिकता को आगे रखा। लाल बहादुर शास्त्री ने नैतिकता के आधार पर ट्रेन दुर्घटना को लेकर त्यागपत्र दिया तो नेहरूजी ने उसे स्वीकारा। अपने करीबी टीटी कृष्णामाचारी और कृष्णा मेनन का त्यागपत्र उन्होंने लिया और विपक्ष की मांग पर उन्होंने अपने सहायक एम ओ मथाई को दिया। ऐसी बातें इतिहास में दर्ज है। उनकी सोच सबको साथ लेकर चलने की थी। 1947 में जिन 14 मंत्रियों की नियुक्ति नेहरूजी ने की, उसमें बाबा साहेब डॉ अंबेडकर, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, जान मथाई, सी एच भाभा और षडमुखम चेट्टी गैर कांग्रेसी थे। उन्होंने सरकार के सभी कार्यक्रमों और नीतियों पर संसद की मुहर लगवायी। इतिहास गवाह है कि 1951–52, 1957 और 1962 में लोक सभा की 75 फीसदी तक सीटें कांग्रेस ने जीती थी। कांग्रेस का दबदबा था। उस दौरान बहुत से लोग यह मानते थे ।

कांग्रेस और विपक्ष लगातार देश में चुनाव क्यों हार रहा है

अजय दीक्षित

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रतिवर्ष राज्यों में क्रम बार विधानसभा चुनाव होते रहते हैं जैसे अभी बिहार विधानसभा चुनाव हो रहे हैं आगामी साल में असम, पश्चिमी बंगाल,के चुनाव है । लेकिन 2014 से कांग्रेस और विपक्ष लगातार चुनाव हार रहा है जिसमें तीन आम चुनाव 2014,2019,2024 और शायद 80 से अधिक विधानसभा चुनाव सम्पन्न हो गए। अब तो हालत यह है कि राज्य सभा में विपक्ष की संख्या लगातार कम हो रही है।यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है। ऐसा लगता है कि तमिलनाडु में डीएमके और पश्चिमी बंगाल में तृणमूल ही कुछ बेहतर प्रदर्शन कर सके हैं।इस वर्ष आम आदमी पार्टी दिल्ली में और बीजेडी ओडिशा में भी अपना प्रदर्शन कायम नहीं रख सकी है। चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति भी तीसरे स्थान पर पहुंच गई है।सबसे अधिक निराश कांग्रेस ने किया है जबकि इस समय मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ही है । बिहार विधानसभा चुनावों के परिणाम क्या होगे कह नहीं सकते लेकिन लगता है कि वहां भी कांग्रेस अपनी भागीदार पार्टी राजद को डूबा देगी क्योंकि हठधर्मी कर 62 सीट पर चुनाव लड़ बैठी है।2020 में 70 पर लड़ी थी और मात्र 19 जीत सकी थी। भारत के नक्शे में कर्नाटक, तेलंगाना, और हिमाचल प्रदेश में ही कांग्रेस की सरकार है जहां से 56 सीट लोकसभा की आती हैं।जबकि उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली,असम, नागालैंड, त्रिपुरा, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम, बिहार, ओडिशा, छत्तीसगढ़,में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। पश्चिमी बंगाल, कर्नाटक, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर,में प्रमुख विपक्षी दल है । उत्तर प्रदेश, दिल्ली, जम्मू कश्मीर, बिहार, ओडिशा, पश्चिमी बंगाल, महाराष्ट्र, में कांग्रेस का वोट प्रतिशत 5 फीसदी से भी कम है। मप्र, गुजरात हरियाणा, जैसे प्रदेश में तीन या उससे अधिक बार लगातार कांग्रेस चुनाव हार गई है। मप्र, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब,केरल, आंध्र प्रदेश,असम, नागालैंड त्रिपुरा मणिपुर मेघालय मिजोरम सिक्किम में दूसरे स्थान पर है।

कांग्रेस के साथ इस समय राजद, समाजवादी पार्टी,ही इसी पार्टियां हैं जो अपने राज्यों प्रभाव रखती हैं। देश के आजादी के आंदोलन से निकली महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू, श्रीमती इंदिरा गांधी, सरोजनी नायडू, गोविंद बल्लभ पंत, मौलाना आजाद, कामराज नाडार, सरदार पटेल, निजलिंगप्पा, की पार्टी को इतने खराब दिन देखने पड़ रहे हैं। राज्य सभा भारत के लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ है।अब इसमें भारतीय जनता पार्टी बहुमत में है क्योंकि राज्यों में उनकी सरकार है। राजसभा में भारतीय जनता पार्टी की 96 सीट है जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन 122 सीट से बहुमत है ।250 सदस्यीय राज्यसभा में 27 कांग्रेस,13 तुलमुल,बीजेडी 05 ऐसे मिलकर विपक्ष 87 की संख्या में है। विचार करे कभी कांग्रेस की राजसभा में 158 सीट थी लेकिन राज्यों में हार के बाद घटती गई अब मात्र 27 है। उत्तर प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी की 31 सीट है जो संपूर्ण भारत से कांग्रेस की 27 संख्या से अधिक है। कांग्रेस की बागडोर राहुल गांधी के युवा कंधों पर है पर उन्हें अपने काम के प्रति रुचि नहीं है और वे महत्वपूर्ण मौका पर विदेश चले जाते हैं। दूसरे राज्यों के कांग्रेस क्षत्रप या तो बूढ़े हो गए हैं और युवा भी तो कोई प्रभाव नहीं है। उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र,गुजरात,पंजाब,दिल्ली, आंध्र प्रदेश, पश्चिमी बंगाल, ओडिशा में कोई बड़ा नाम नहीं है। राजस्थान, मप्र, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, छत्तीसगढ़, झारखंड,का नेतृत्व बूढ़ा हो चुका है।नवीन कार्यकर्ता बनाने की कोई संस्था नहीं है।जैसे भारतीय जनता पार्टी के पास आरएसएस, एबीवीपी, और भी तमाम संगठन हैं। बताया जाता है कि 10लाख तो विद्या भारती के शिक्षक हैं। बनवासी कल्याण परिषद,आदि। बसंत साठे कभी कांग्रेस के विचारक रहे हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के जनादेश के मायने

कमलेश

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के परिणामों ने राज्य की राजनीति और सामाजिक समीकरणों पर बड़ा प्रभाव डाला है। इस बार बीजेपी नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन रिकॉर्ड सीटों के साथ भारी बहुमत से सत्ता में लौट रहा है, जबकि महागठबंधन (राजद–कांग्रेस गठबंधन) को गंभीर झटका लगा है। चुनाव परिणाम के निष्कर्ष से स्पष्ट है कि एनडीए ने 243 में से 200 से अधिक सीटों पर जीत सुनिश्चित की है, जिसमें बीजेपी को 91, जेडीयू को 81 एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 21 सीटें मिली हैं। वहीं, विपक्षी महागठबंधन महज 38 सीटों पर सिमट गया है, जिसमें राजद 26, कांग्रेस 4 और वामदल (सीपीआई, सीपीएम आदि) 6 सीटों पर आगे दिखे। ये आंकड़े अनंतिम हैं। इसमें मामूली बदलाव सम्भाव्य है। मतदाता प्रतिशत 66.91ः के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा, महिलाएं 71.6ः की हिस्सेदारी के साथ निर्णायक भूमिका में रहीं। इन नतीजों के मायने दिलचस्प हैं– पहला, शासन और नेतृत्व पर असररू चुनाव परिणाम ने ष्डबल इंजनष् की सरकार यानी केंद्र–राज्य एक ही साझा गठबंधन के फॉर्मुयुले पर जनता की मुहर को मजबूती दी है। इससे राज्य में स्थिरता, नीति निरंतरता तथा केंद्र से सहयोग की उम्मीद है। एनडीए में बीजेपी की सीट्स जेडीयू से अधिक हैं, जिससे भाजपा का राज्य के सत्ता–समीकरण, मंत्रिमंडल गठन और नीतियों पर कड़ा प्रभाव होगा। दूसरा, विपक्ष के लिए संदेशरू राजद और महागठबंधन की हार, खासकर युवा व महिला वोटर्स के बड़ी संख्या में एनडीए की ओर जाने के कारण हुई है, जिससे विपक्षी वृत्तियों को खुद की रणनीति और नेतृत्व की समीक्षा करनी होगी। तीसरा, सामाजिक–राजनीतिक पटल पर प्रभावरू वोटर टर्नआउट में नई ऊंचाई और महिला वोटर्स का रुझान, सामाजिक विकास, शिक्षा–स्वास्थ्य, सुरक्षा के मुद्दों को आगे लाता हैय वहीं जाति–आधारित राजनीति कुछ हद तक कमजोर होती दिखी। वहीं, छोटे दलों की भूमिका बनी रही, जिससे स्थानीय मुद्दे और क्षेत्रों के लिए बैलेंसिंग एक्ट की आवश्यकता बढ़ गई है। चतुर्थ, राष्ट्रीय राजनीति के लिए संकेतरू बिहार का परिणाम 2029 के लोकसभा चुनाव के पहले एनडीए के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मनोबल और संदेश देता है कि क्षेत्रीय गठबंधन नीति और विकास एजेंडा कारगर है। वहीं, एक सवाल यह भी है कि बिहार परिणाम का राष्ट्रीय राजनीति पर असर क्या होगा? तो जवाब होगा कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए की भारी जीत का राष्ट्रीय राजनीति पर कई स्तरों पर असर पड़ेगा। बिहार जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से अहम राज्य में बीजेपी–जेडीयू गठबंधन की सफलता विपक्षी दलों, विशेष रूप से कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को कमजोर करती है, जबकि एनडीए की नीतियों और नेतृत्व को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती मिलती है। राष्ट्रीय राजनीति का नया समीकरणरू एनडीए की जीत से प्रधानमंत्री, केंद्र सरकार और भाजपा नेतृत्व की लोक–प्रियता को बड़ा सहारा मिला है। इससे भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव 2029 और अन्य राज्यों के विधानसभा चुनाव में मजबूत स्थिति में रहेगी। बिहार के नतीजे पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में एनडीए के लिए गति और उदाहरण बनेंगे। वहीं, विपक्षी इंडिया गठबंधन में अंदरूनी फूट, नेतृत्व संकट और जमीनी कमजोरियां उजागर हुई हैं। कमजोर प्रदर्शन से विपक्षी गठबंधन के भविष्य, नेतृत्व और संयुक्त रणनीति को लेकर गंभीर सवाल पैदा होंगे। साथ ही, ममता बनर्जी (प. बंगाल), अखिलेश यादव (यूपी) जैसे क्षेत्रीय नेताओं के लिए भी बिहार का परिणाम मार्गदर्शक होगा कि उन्हें अपनी गठबंधन संरचना पर पुनर्विचार करना पड़ेगा। नीतिगत और समाजिक प्रभावरू बिहार में एनडीए की सरकार के विकास–कार्य, स्वास्थ्य–शिक्षा और महिला–सशक्तिकरण एजेंडा राष्ट्रीय स्तर पर भी प्राथमिकता पा सकता है। वहीं, महिलाओं और युवाओं के बड़े हिस्से का समर्थन एनडीए को मिला, इससे सामाजिक सुधार और चुनावी रणनीति में इन वर्गों का महत्व बढ़ेगा। वहीं, भाजपा और जेडीयू में सीटों के समीकरण से भी केंद्रीय सत्ता में गठबंधन के आंतरिक समीकरण बदल सकते हैं, खासकर मोदी सरकार 3.0 में सहयोगी दलों की भूमिका बढ़ सकती है। आगामी लोकसभा चुनाव पर असररू बिहार परिणाम ने भाजपा को 2029 चुनाव के लिए मनोबल, रणनीति और समर्थन का ठोस आधार दिया है। विपक्षी गठबंधन को फिर से खुद को संगठित और प्रासंगिक साबित करने की चुनौतियां मिली हैं। बिहार जैसे राज्य का चुनाव परिणाम राष्ट्रीय राजनीति की दिशा, गठबंधन व्यवस्था और चुनावी मुद्दों को गहराई से प्रभावित करता है। 2025 के नतीजे छक्। को केंद्र में मजबूती व विपक्ष को नए सिरे से आत्ममंथन का संकेत देते हैं। कहा जा सकता है कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के परिणाम न केवल प्रदेश की सत्ता राजनीति में बड़ा बदलाव लाते हैं, बल्कि विकास, नेतृत्व बदलाव और जातीय राजनीति जैसे अहम मुद्दों पर भी गहरा असर डालते हैं। यह परिणाम केंद्र–राज्य संबंध तथा विपक्ष की राजनीति पर भी दूरगामी असर करेंगे।

निठारी कांड के निर्णय पर गूंजते सवाल

अशोक

निठारी हत्याकांड के दोषी ठहराए गए सुरेंद्र कोली को सुप्रीम कोर्ट ने बरी कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह बेहद दुख की बात है कि लंबी जांच के बावजूद निठारी के जघन्य हत्याकांड के असली अपराधी की पहचान कानूनी मानकों के अनुरूप

स्थापित नहीं हो पाई। अपराध जघन्य थे और परिवारों की पीड़ा अथाह थी। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा के निठारी हत्याकांड से जुड़े अंतिम लंबित मामले में सुरेंद्र कोली को बरी करते हुए यह टिप्पणी की। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने फैसले में कहा, आपराधिक कानून अनुमान या पूर्वधारणा के आधार पर दोषसिद्धि की अनुमति नहीं देता। खुदाई शुरू होने से पहले घटनास्थल को सुरक्षित नहीं किया गया था, खुलासे को उसी समय दर्ज नहीं किया गया। रिमांड दस्तावेज में विरोधाभासी विवरण थे और कोली को समय पर अदालत की ओर से निर्देशित चिकित्सा जांच के बिना लंबे समय तक हिरासत में रखा गया। अदालत ने कोली की सजा को रद्द करते हुए कहा कि अगर वह किसी और मामले में वांछित नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत रिहा किया जाए। यह फैसला उन परिवारों और कानूनी हलकों के लिए अहम है, जो पिछले 18 वर्षों से इस मामले पर नजर रखे हुए थे। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि अभियोजन पक्ष सुरेंद्र कोली के खिलाफ ठोस और विश्वसनीय सबूत पेश नहीं कर पाया। अदालत ने माना कि जांच के दौरान कई गंभीर प्रक्रियागत खामियां रहीं, इसके चलते दोषसिद्धि बरकरार नहीं रखी जा सकती। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि किसी व्यक्ति को सिर्फ परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर उम्रकैद या फांसी नहीं दी जा सकती। इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के नोएडा के चर्चित निठारी कांड के 12 केस के आरोपी सुरेंद्र कोली और दो केस में फांसी की सजा पाए कोठी डीएस.5 के मालिक मनिंदर सिंह पंढेर को भी ने बरी कर दिया है। न्यायालय ने इन्हें दोष मुक्त तो करार दे दिया, किंतु ये न्याय एक तरफा है। अधूरा है। निठारी कांड तो हुआ है। चर्चित निठारी कांड में निचली अदालत से कोली को एक दर्जन से अधिक मामलों में फांसी की सजा सुनाई जा चुकी है। निठारी गांव के कोठी डीएस.5 के मालिक मनिंदर सिंह पंढेर को दो केस में फंसी की सजा हो चुकी है। अब जब की ये निचली अदालत से फांसी की सजा पाए ये दोनों आरोपी हाईकोर्ट ने बरी कर दिए तो व्यवस्था को यह तो बताना ही होगा कि फिर इस कांड के आरोपी कौन हैं? किसने इस कांड की 19 घटनाओं को अंजाम दिया। कांड तो हुआ ही है। ये दोनों आरोपी इसलिए बरी हो गए कि इनके विरूद्ध सुबूत नही थे, किंतु पीड़ित परिवार को भी तो न्याय चाहिए। उनके परिवार की युवतियों, बेटियों और बच्चों पर जुल्म करने वाला, उनसे व्यभिचार कर उन्हें काटकर खाने वाला कोई तो होगा? किसी ने तो ये कांड किया होगा? उसे कानून की जद में लाकर सजा कौन दिलाएगा? ये निर्दोष थे तो फिर इनकी कोठी के पास नाले में किसने मारकर इनको डाला? 29 दिसंबर 2006 को नोएडा में मोनिंदर सिंह पंढेर के घर के पीछे नाले से 19 बच्चों और महिलाओं के कंकाल मिले। मोनिंदर सिंह पंढेर और सुरेंद्र कोली गिरफ्तार किया। आठ फरवरी 2007 को कोली और पंढेर को 14 दिन की सीबीआई हिरासत में भेजा गया। मई 2007 को सीबीआई ने पंढेर को अपनी चार्जशीट में अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के मामले में आरोप मुक्त कर दिया था। दो माह बाद अदालत की फटकार के बाद सीबीआई ने उसे मामले में सह अभियुक्त बनाया। 13 फरवरी 2009 को विशेष अदालत ने पंढेर और कोली को 15 वर्षीय किशोरी के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या का दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई। ये पहला फैसला था। इसके बाद 11 केस में दोनों को सजा हुई। पुलिस ने इस मामले में कहा था कि कम से कम 19 युवा महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया था, उनकी हत्या कर दी गई थी और उनके शवों के टुकड़े–टुकड़े कर दिए गए थे। पुलिस ने उस समय कहा था कि ये हत्याएं पंढेर के घर के अंदर हुई थीं, जहां कोली नौकर के तौर पर काम करते थे। पुलिस ने आरोप लगाया कि जिन बच्चों के अवशेष बैग में छिपे हुए पाए गए थे, उन्हें कोली ने मिठाई और चॉकलेट देकर लालच देकर मार डाला था। पुलिस का कहना था कि जांच के दौरान कोली ने नरभक्षण और नेक्रोफिलिया (शवों के साथ संबंध बनाने) की बात कबूल की थी। बाद में उन्होंने अदालत में अपना कबूलनामा ये कहते हुए वापस ले लिया कि उनसे जबरन ये बयान दिलवाया गया था। सीबीआई ने सुरेंदर कोली और पंढेर के खिलाफ 19 मामले दर्ज किए थे। जहां कोली पर हत्या, अपहरण, बलात्कार, सबूतों को मिटाने जैसे आरोप थे तो वहीं पंढेर पर अनैतिक तस्करी का आरोप था। इस मामले की गूंज कई सालों तक देश गूंजती रही थी। लोगों ने पुलिस पर लापरवाही बरतने के आरोप लगाए थे। स्थानीय लोगों ने उस समय कहा था कि पुलिस इस मामले में इसलिए भी कार्रवाई नहीं कर सकी क्योंकि लापता होने वालों में से अधिकतर गरीब परिवार के थे। न्यायालय ने निर्णय में ये माना कि आरोपियों के विरूद्ध सबूत नही हैं। न्यायालय ने ये नही कहा कि कांड हुआ ही नही। उसने माना कि कांड तो हुआ। 19 महिलाओं और बच्चियों के कंकाल कोठी डीएस.5 के सामने नाले से मिले। अब प्रश्न यह है कि ये नही तो किसी और ने ये कांड किया है। जिसने कांड किया उसे सजा दिलाने की किसकी जिम्मेदारी है? किंतु लगता है कि न्यायालय ने इस केस के आरोपी के बरी हो जाने के बाद ये केस व्यवस्था की कबाड़ की फाइल में चला जाएगा। 2006 से न्याय की आशा में बैठे पीडित परिवार को रो पीट कर चुप हो बैठना पड़ेगा। इस निर्णय के बाद पीड़ितों के माता पिता और परिवार वालों का दुख और गहरा हो गया। अपनों को खोने वालों ने कहा कि 19 साल बाद भी हम लोगों को न्याय नहीं मिला। निठारी कांड में अपने बच्चों को खोने वाले पैरंट्स का लगभग एक ही सवाल है कि अगर पंढ़ेर और कोली निर्दोष हैं तो उनके बच्चों को किसने मारा है? एक बात और हाईकोर्ट ने कहा कि शवों की मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर जांच नहीं हुई। ये रिपोर्ट मानव तस्करी की और इशारा कर रही थी। दोनों न्यायधीश ने जांच पर नाखुशी जताते हुए ये भी कहा कि जांच बेहद खराब है। सुबूत जुटाने की मौलिक प्रक्रिया का पूरी तरह उल्लंघन किया गया। जांच एसेंसियों की नाकामी जनता के विश्वास के साथ धोखा है। हाईकोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसियों ने अंग व्यापार के गंभीर पहलुओं की जांच किए बिना एक गरीब नौकर को खलनायक की तरह पेश किया। हाईकोर्ट ने माना कि ऐसी गंभीर चूक के कारण मिलीभगत सहित कई गंभीर निष्कर्ष संभव है। हाईकोर्ट ने यह भी माना कि दोनों आरोपियों के खिलाफ कोई सुबूत नही हैं। सुबूत के अभाव में दोनों आरोपियों को लगभग 19 साल जेल में रहना पड़ा। अकारण जेल में बिताए इनके इन सालों के लिए कौन जिम्मेदार है? इस केस में शुरूआत से ही पुलिस पर आरोप लगते रहते हैं कि वह इस मामले में रूचि नही ले रही। उसी के बाद मामला सीबीआई को गया। अब सीबीआई की जांच पर भी सवाल उठा है तो सीबीआई को अपनी जांच और प्रक्रिया पर भी सोचना और बदलाव करना होगा। क्योंकि देश में उसका बहुत सम्मान है। प्रत्येक प्रकार के टिपिकल मामले में उसी से जांच कराने की बात आती है। अब उसकी भी जांच ऐसी ही निम्न स्तरीय होगी,तो फिर उसे सोचना तो होगा ही।

मोदी और शाह की राजनीतिक योजना में बाधा रहुल

हरिशंकर व्यास

भारतीय जनता पार्टी और सोशल मीडिया का उसका इकोसिस्टम राहुल गांधी को लेकर लगातार नैरेटिव बदल रहा है। इससे ऐसा लग रहा है कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह की राजनीतिक योजना में अगर कोई बाधा दिख रही है तो वह रहुल गांधी हैं। इसलिए पहले दिन से उनकी साख बिगाडने और उनकी राजनीति स्थापित नहीं होने देने के प्रयास सतत हैं। इसी प्रयास के तहत उनको पप्पू बताया गया। इसके लिए पूरा तंत्र खड़ा किया गया। हालांकि जब यह प्रयास शुरू हुआ उस समय तक वे दो बार सांसद हो चुके थे। उन्होंने 2009 के बाद सरकार और कांग्रेस संगठन में भी दिलचस्पी लेकर राजनीति की थी। उस समय तक यानी जब भाजपा की कमान लालकृष्ण आडवाणी के हाथ में थी या आडवाणी, वाजपेयी के जमाने के नेताओं के हाथ में थी तब तक राहुल गांधी को पप्पू साबित करने की जरुरत किसी ने नहीं समझी थी।

मगर 2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर लड़े तब उनके प्रचार तंत्र ने राहुल को पप्पू साबित करने की मुहिम छेड़ी। यह प्रचार कई बरसों तक चला। उनके बारे में कई झूठी सच्ची बातें फैलाई गईं। उनके वीडियो एडिट करके प्रचारित कराया गया और ऐसी बातें दिखाई गईं, जो उन्होंने कभी नहीं कही थीं। इससे समाज के एक बड़े वर्ग में धारणा भी बनी। इस काम में देश की प्रतिबद्ध मीडिया ने भी सरकार और भाजपा का साथ दिया।

इसके बाद वह दौर आया, जब राहुल गांधी को पप्पू की बजाय अगंभीर नेता साबित करने का अभियान चला। इसमें कांग्रेस से भाजपा में गए कई नेताओं ने बड़ी भूमिका निभाई। उन्होंने अपने अनुभव बताने शुरू किए, घटनाएं बताईं और यह साबित किया कि राहुल का मन राजनीति में नहीं लगता है। यह बताया गया कि वे बड़ी हिचकिचाहट के साथ राजनीति में आएं और नेहरू–गांधी परिवार की राजनीति की सहज उत्तराधिकारी प्रियंका गांधी वाड्रा हैं। कुछ समय तक यह अभियान चला।

इस अभियान के तहत उनके सबैटिकल यानी अचानक बिना किसी को बताए छुट्टी मनाने जाने जाने या कहीं अदृश्य हो जाने या काम से दूरी बना लेने की बातों का प्रचार हुआ। एक समय सचमुच

वे काफी समय के लिए कहीं चले गए थे। यह अभियान किसी न किसी रूप में अब भी चलता रहै। अब भी वे चाहे किसी काम के लिए दिल्ली से बाहर या देश से बाहर जाएं तो भाजपा की ओर से इसका प्रचार किया जाता है। पिछले दिनों जब राहुल गांधी ने हरियाणा की मतदाता सूची में गड़बड़ी का खुलासा करने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस की और बताया कि ब्राजील की मॉडल की तस्वीरों का इस्तेमाल अनेक मतदाता आई कार्ड में किया गया तो उसका जवाब देने के लिए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके उसी नैरेटिव को आगे बढ़ाया कि राहुल गांधी विदेश जाते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बिना बताए थाईलैंड और मलेशिया चले जाते हैं इसलिए उनको हर जगह विदेशी दिखाई देते हैं। इसका मकसद राहुल की साख बिगाडना और उनके लगाए आरोपों को मजाक में उड़ा देना था। यह काम भाजपा बहुत कायदे से करती आई है। राहुल की छुट्टियों और यात्राओं को इस नजरिए से पेश किया जाता है। इसके बाद तीसरे दौर की शुरुआत किसान आंदोलन के आसपास हुई, जब उनको खुल कर देश विरोधी बताया जाने लगा। उसी समय के आसपास भारत के घरेलू राजनीतिक विमर्श में बड़ी गंभीरता के साथ और व्यापक रूप से जॉर्ज सोरोस की एंट्री हुई थी। पता नहीं कहां कहां से तस्वीरें निकाली गईं कि राहुल गांधी अमेरिका में जा कर किससे मिले और ब्रिटेन जाकर किससे?। कहा गया कि वे जिन लोगों से मिले उसमें कोई ऐसा था, जो सोरोस के लिए काम करता था। यह नैरेटिव बनाने का प्रयास हुआ कि सोरोस की फंडिंग से राहुल गांधी देश विरोधी अभियान चल रहे हैं। हालांकि किसान आंदोलन से पहले सीएए के विरोध में भी देश विरोध का नैरेटिव बना था लेकिन किसान आंदोलन से विदेशी टूलकिट की बहुत चर्चा हुई और राहुल गांधी पर निशाना साधा गया। वह अभियान अभी तक तक चल रहा है।

अब पप्पू और अगंभीर नेता के बाद राहुल गांधी को देश विरोधी और अर्बन नक्सल का समर्थक साबित करने का अभियान है। मतदाताओं को बताया जा रहा है कि राहुल गांधी देश विरोधी ताकतों की शह पर नरेंद्र मोदी की सरकार और भारत को बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं। इसी नैरेटिव के तहत उनके चुनाव आयोग के खुलासे पर भी सवाल हैं। कहा जा रहा है कि विदेशी ताकतों के इशारे पर राहुल देश की संस्थाओं को बदनाम कर रहे हैं। जबकि संस्थाएं किस तरह से काम कर रही हैं, यह किसी को नहीं दिख रहा है। राहुल इन संस्थाओं की संवैधानिक जिम्मेदारी और मर्यादा याद दिला रहे हैं लेकिन इसके लिए उनके ऊपर देश विरोध का टैग लगाया जा रहा है। हालांकि जैसे ही भाजपा ने उनको देश विरोधी या देश के खिलाफ साजिश रचने वाला बताना शुरू किया वैसे ही पप्पू और अगंभीर नेता वाला नैरेटिव उसने खुद ही फेल कर दिया। कोई व्यक्ति पप्पू यानी मूर्ख और साजिशी दोनों एक साथ नहीं हो सकता है। जाहिर है भाजपा अब उनकी चुनौती को गंभीर मानने लगी है।

आपकी पूंजी, आपका अधिकार" एक महत्त्वपूर्ण राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत लोगों को किया जा रहा जागरूक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । वित्तीय क्षेत्र में वर्षों से बिना दावे के पड़ी नागरिकों की संपत्तियों को उनके वास्तविक स्वामियों तक पहुँचाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा चलाया जा रहा "आपकी पूंजी, आपका अधिकार" एक महत्त्वपूर्ण राष्ट्रव्यापी अभियान है। इसी अभियान के तहत जौनपुर जनपद में भी व्यापक स्तर पर गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग अपनी अनक्लेम्ड वित्तीय संपत्तियों के बारे में जागरूक हों और उनका त्वरित निपटान सुनिश्चित हो सके। केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार जौनपुर जिले में 260 करोड़ रुपये से अधिक की राशि ऐसी है जो वर्षों से बिना दावे के बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थाओं के पास जमा है। इन संपत्तियों में बचत खाते, फिक्स्ड डिपॉजिट, बीमा पॉलिसी, शेयर, म्यूचुअल फंड, लाभांश, पीएफ खाते सहित कई प्रकार की वित्तीय जमा–पूंजी शामिल है, जिन्हें नागरिकों के दावे के अभाव में 'अनक्लेम्ड' घोषित कर दिया गया है। इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति हेतु यह तीन महीने का अभियान 4 अक्टूबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक संचालित किया जा रहा है। अभियान का मुख्य लक्ष्य लोगों को यह जागरूक करना है कि वे किस प्रकार अपनी पुरानी निष्क्रिय खातों, जमा पॉलिसियों या दस्तावेजों की जानकारी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं और उनका दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। इसी क्रम में अग्रणी जिला प्रबंधक कार्यालय द्वारा जलालपुर ब्लॉक में एक महत्वपूर्ण जागरूकता एवं समाधान शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारी श्री दिशांत चंद्रायन, समस्त बैंक शाखाओं के प्रबंधक, विभागीय अधिकारी तथा क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में विभिन्न बैंकों और सरकारी विभागों के अधिकारी नागरिकों को अनक्लेम्ड असेट्स की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, दावा निपटान प्रणाली और न्व्ळ।ड पोर्टल के उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करते रहे। कार्यक्रम के दौरान एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह रही कि शिक्षा विभाग से संबंधित 94 लाख 85 हजार रुपये की अनक्लेम्ड जमा राशि का वास्तविक निपटान कर उसे वापस किया गया। यह उपलब्धि जौनपुर जनपद को अनक्लेम्ड असेट्स निपटान अभियान में अग्रणी जिलों में शा अग्रणी जिला प्रबंधक अभय प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि जिले में विभिन्न बैंकों, बीमा कंपनियों और अन्य वित्तीय संस्थाओं के सहयोग से लगातार कैंप आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि कोई भी नागरिक अपनी मेहनत की जमा पूँजी से वंचित न रहे। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने पुराने खातों, दस्तावेजों, निष्क्रिय बीमा पॉलिसियों और शेयरध्लाभांश से संबंधित जानकारी की जाँच अवश्य करवाएँ। कार्यक्रम में 100 से अधिक लोग उपस्थित रहे,।

कूड़ा फेंकने के विवाद में युवक की बेलचे से पीट-पीटकर हत्या

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के गुडंबा थाना क्षेत्र के आदिल नगर में मामूली विवाद को लेकर पड़ोसियों द्वारा एक युवक को घर से घसीट कर ले जाकर बेलचे से पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। घरवाले युवक को हॉस्पिटल ले गए जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। मौके पर पुलिसकर्मी पहुंच गई है और पूछताछ कर रही है।

गुडंबा के आदिल नगर में कूड़ा फेंकने को लेकर शुक्रवार सुबह दो पक्षों की महिलाओं में विवाद हो गया। आरोप है कि दानिश की मां आबिदा के कूड़ा फेंकने से मना करने पर दूसरे पक्ष के साबिर ने अपने बेटों फारूक, अफसान व पत्नी के साथ मिलकर बेलचा व डंडो से दानिश (22) पर हमला कर दिया। बेलचे के हमले से दानिश गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे ट्रामा सेंटर ले गए।

संक्षिप्त खबरें

जिले में आवारा मवेशी सड़क दुर्घटनाओं और मौतों का प्रमुख कारण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, जिले में आवारा मवेशी सड़क दुर्घटनाओं और मौतों का प्रमुख कारण बन रहे हैं। दिन हो या रात, हाईवे पर बड़ी संख्या में पशु देखे जा सकते हैं, जिससे वाहन चालकों की जान को खतरा बना रहता है। अस्पताल, स्कूल और सार्वजनिक स्थानों पर भी आवारा पशुओं की मौजूदगी से लोग अक्सर चोटिल होते हैं। इन गंभीर समस्याओं के बावजूद, संबंधित विभाग ठोस कार्रवाई करने में विफल रहा है। नगरीय क्षेत्रों में नगर निकाय प्रशासन असहाय प्रतीत होता है, जबकि ग्रामीण इलाकों में गोवंश आश्रय स्थलों में पशुओं को पहुंचाने की प्रक्रिया में सुस्ती बरती जा रही है। हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने सड़कों और हाईवे पर खुले घूम रहे आवारा मवेशियों को लेकर सख्त टिप्पणी की है। सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार को इन पशुओं को तत्काल हटाने का निर्देश दिया है। इस निर्देश के बाद जिले में की गई पड़ताल में लगभग सभी थाना क्षेत्रों की सड़कों पर छुट्टा पशुओं की भरमार मिली। अस्पतालों, बस स्टैंडों, खेल परिसरों और रेलवे स्टेशनों पर भी आवारा कुत्ते देखे गए। इन छुट्टा पशुओं के कारण कई गंभीर हादसे हो चुके हैं। जौनपुर शहर में जेसीज चौराहा पर पुलिस बूथ से मात्र 50 मीटर की दूरी पर भी सड़क के बीचों–बीच छुट्टा पशु देखे गए, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। बड़े वाहनों की चपेट में आकर ये पशु खुद भी दुर्घटना का शिकार होते हैं, वहीं बाइक सवार भी इनसे टकराकर घायल हो रहे हैं। पिछले वर्ष नौपेड्या बाजार निवासी राजस्वकर्मी बाबुल अली की मौत भी एक छुट्टा पशु से टकराने के कारण हुई थी। इस संबंध में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि छुट्टा पशुओं को आश्रय स्थलों में भेजने की प्रक्रिया निरंतर जारी है। उन्होंने जानकारी दी कि नगरीय क्षेत्रों में नगर पालिका और ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत विभाग के सहयोग से पशुओं को आश्रय स्थलों में भेजा जाता है। वर्तमान में जिले के 103 गोवंश आश्रय स्थलों में 13,600 से अधिक पशु मौजूद हैं।

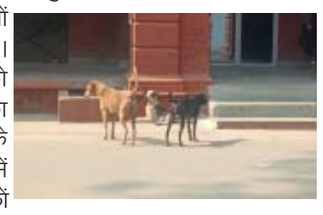

मुद्दों पर समाज के लोगों को करनी चाहिए चर्चा

लखनऊ, (संवाददाता)। सिक्खी मेरी पहचान फाउंडेशन व भारतीय सिक्ख संगठन ने आशियाना स्थित एक क्लब में बृहस्पतिवार को विचार संसद का आयोजन कर महाराजा रणजीत सिंह की जयंती मनाई। भारतीय सिक्ख संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जसबीर सिंह ने कहा कि जिस प्रकार रणजीत सिंह अपने खालसा राज के समय दरबार लगाते थे और मुद्दों पर चर्चा करते थे। उसी प्रकार से समाज के लोगों को आपस में बैठकर चर्चाएं करनी चाहिए। सिक्खी मेरी पहचान फाउंडेशन के अध्यक्ष दिलप्रीत सिंह ने कहा कि आज हमारे समाज में इस प्रकार की बैठकें बहुत जरूरी हैं।

पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा करने में हर एक व्यापारी अपना योगदान दे : अनूप गुप्ता

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

हरदोई के एक बारात घर में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान, प्रोफेशनल सम्मेलन में अनूप गुप्ता ने बिरसा मुंडा और सरदार पटेल की १५०वीं जयंती पर नमन करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत को बनाने में सूक्ष्म और लघु उद्योगों के छोटे बड़े व्यापारियों की बड़ी हिस्सेदारी है। देश के छोटे बड़े कस्बों में हर एक व्यापारी अपना व्यापार चलाते हुए ईमानदारी से टैक्स जमा कर देश को मजबूत बना रहा है, इसके साथ दो चार लोगों को नौकरी देकर बड़ी जनसंख्या में रोजगार उपलब्ध करा रहा है। पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा करने में हर एक व्यापारी अपना योगदान दे रहा है। कहा कि आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के पीछे के बैकग्राउंड पर गौर करें तो हम वह षडयंत्र देखते है कि कैसे भारत को ष्सोने की चिड़ियाष कहा जाने वाले देश से धीरे धीरे उसके पौराणिक ज्ञान को चुराया और नष्ट किया गया। आक्रांताओं से लेकर अंग्रेजी हुकूमत ने भारत के वैभव को लूटकर अपना बनाया। यह वह लोग थे जिन्होंने हमारा ज्ञान हमसे चुराया और सदियों तक हमें ही ज्ञान देते रहे। कहा कि आज पीएम नरेंद्र मोदी श्आत्मनिर्भर भारतश अभियान से इसे पुनर्जीवित कर रहे हैं। 2020 में शुरू यह मिशन कोविड के बाद एम एस एम ई को ध्३ लाख करोड़ समर्थन दे चुका। पी एल आई स्कीम से 14 सेक्टरों (मोबाइल, फार्मा) में उत्पादन बढ़ा। पी एम किसान, फसल बीमा जैसी योजनाओं से किसान सशक्त बना। जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा कि पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प में आत्मनिर्भरता राष्ट्रीय शक्ति का द्योतक बने, ताकि 2047 तक विकसित भारत की यात्रा को पूर्ण कर सके। इस यात्रा में भारत के सभी नागरिकों का योगदान सराहनीय है। संचालन जिला उपाध्यक्ष विनोद राठौर ने किया। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती, डीसीबी अध्यक्ष अशोक सिंह, क्रय विक्रय अध्यक्ष सुशील अवस्थी ने भी संबोधन दिया। कार्यक्रम में उपस्थित रहे जिला महामंत्री अनुराग मिश्र, ओम वर्मा, सत्येंद्र राजपूत, मंत्री अविनाश पांडे, अलका गुप्ता, शिक्षक अनुराग मिश्र, महेंद्र सोनी, मुकुल सिंह, कपिल मोहन गुप्ता, सुहाना जैन, अनुराधा मिश्र, रीना गुप्ता, निधि । सिंह, राघवेंद्र श्रीवास्तव।

पत्नी व तीन मासूमों को मार डाला, फिर मौत को लगाया गले बाहरवाली का चक्कर बनी वजह

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के श्रावस्ती में शुक्रवार को युवक ने पत्नी व मासूम बच्चों की हत्या करने के बाद खुद फंदे से लटककर जान दे दी। पांच दिन पहले ही वह मुंबई से लौटा था। ग्रामीणों में प्रेम प्रसंग के चलते वारदात को अंजाम देने की चर्चा है। हालांकि असली कारण तो पुलिसिया जांच के बाद ही सामने आ सकेगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना इकौना थाना क्षेत्र के कैलासपुर ग्राम पंचायत के लियाकतपुरवा की है। गांव निवासी शमशूल हक के बेटे रोजअली (35), इसकी पत्नी साहनाज (30), बेटियां तबस्सुम (6) और गुलनाज (4) व बेटे मोइन (2) की मौत हुई है। लाशें देखकर हर कोई सहमा हुआ है। प्रथम दृष्टया पत्नी व बच्चों की हत्या के बाद रोजअली द्वारा सुसाइड करने का मामला लग रहा है। बताया गया कि सुबह घर के लोग सो कर जगे तो रोजअली का कमरा बंद था। काफी देर होने के बाद भी अंदर से कोई हलचल न हुई। मां को चिंता हुई तो बेटी राबिया को देखने के लिए कहा। राबिया ने कमरे में झांककर देखा तो बेड पर लाशों का ढेर लगा था। भैया–भाभी और तीन बच्चों की लाशें देख उसकी चीख निकल गई। शोर सुनकर आसपास के लोग भी जमा हो गए। देखते ही देखते लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों में चर्चाओं का बाजार गर्म है। मां ने बताया कि काफी पहले बेटे–बहू में झगड़ा होता था, लेकिन इधर बेटे और बहू के बीच कोई विवाद भी नहीं था। सब कुछ ठीक चल रहा था। फिर अचानक ऐसा कदम क्यों उठाया, समझ में नहीं आ रहा है। घटना गांव में चर्चा का विषय बनी हुई है।

संक्षिप्त खबरें

ला-मार्टीनियर कॉलेज ने खिताब जीता

लखनऊ, (संवाददाता)। ला–मार्टीनियर कॉलेज ने यूनिटी कॉलेज को रोमांचक मुकाबले में 1–0 से हराते हुए जगदीश गांधी मेमोरियल अंतर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट जीत लिया। चौक स्टेडियम में खेली जा रही प्रतियोगिता में तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में सीएमएस कानपुर रोड ने सीएमएस गोमतीनगर कैंपस को 1–0 से मात दी। सिटी मांटेसरी स्कूल, गोमतीनगर के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता के फाइनल में ला–मार्टीनियर और यूनिटी कॉलेज के बीच कांटे का मुकाबला देखने को मिला, जिसमें लॉ–मार्टीनियर कॉलेज ने 1–0 से जीत दर्ज करते हुए खिताब पर कब्जा किया। प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर सीएमएस गोमतीनगर प्रथम कैंपस के छात्र यश पांडेय को सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर एवं ऑलराउंडर घोषित किया गया। ला–मार्टीनियर कालेज के रशेल ग्लेन व्हाइट को सर्वश्रेष्ठ स्कोरर के खिताब से नवाजा गया। यूनिटी इंटर कालेज के अबू सूफियान को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का खिताब मिला। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि और पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी देवेंद्र सिंह ने विजेताओं को सम्मानित किया। मौके पर टूर्नामेंट की संयोजिका एवं सीएमएस गोमतीनगर प्रथम कैंपस की प्रधानाचार्या सोमा चन्द्रा प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों का आभार जताया।

डॉ. शाहीन के विदेश दौरे की जांच में खुलेंगे कई राज

लखनऊ, (संवाददाता)। आतंकी गतिविधियों में गिरफ्तार की गई डॉ. शाहीन ने पिछले 10 वर्ष में किन–किन शहरों का दौरा किया था, इसकी छानबीन की जा रही है। लखनऊ में दो माह रहने की बात सामने आने के बाद कई सवाल खड़े हो गए हैं। जांच एजेंसियां डॉ. शाहीन के अयोध्या दौरे की दिशा में भी छानबीन कर रही हैं। कानपुर में रहने वाले शाहीन के पूर्व पति डॉ. जफर हयात ने कहा था कि वह अक्सर यूरोप में बसने की बात कहती थी। डॉ. जफर ने शाहीन के विदेश जाने की बात बताई थी। खुफिया एजेंसियां अब शाहीन के विदेश दौरों की जांच कर रही हैं। पड़ताल में शाहीन के पुरुष मित्र डॉ. मुज्जमिल का तुर्किये कनेक्शन सामने आया है। इसके बाद से शाहीन के कई देशों की यात्रा जांच के घेरे में है। सूत्रों का कहना है कि विदेश दौरे पर शाहीन की मुलाकात आतंकी संगठनों से हुई थी। विदेश में ही उसे भारत में आतंकियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट करने का काम सौंपा गया था। गिरफ्तार किए गए अन्य आरोपियों के संबंध आतंकी संगठन जैश से सामने आने के बाद शाहीन के कनेक्शन के बारे में एटीएस पता लगा रही है। जांच एजेंसियों को डॉ. शाहीन के पासपोर्ट की छानबीन में कई अहम सुराग मिले हैं। जांच में सामने आया है कि शाहीन ने दो वर्ष यूएई में बिताए थे। इस दौरान वह कई लोगों के संपर्क में रही। चर्चा है कि यूएई में ही शाहीन को जैश की महिला विंग– जमात उल मोमिनात को तैयार करने की ट्रेनिंग दी गई थी। शाहीन ने वर्ष 2016 से 2018 के बीच यूएई में रहकर नौकरी की थी। शाहीन के लखनऊ में दो माह बिताने की बात सामने आने के बाद एटीएस उसके करीबियों के बारे में पता लगा रही है। बताया जा रहा है कि शाहीन के पिता सईद अंसारी, भाई शोएब व पड़ोसियों से दोबारा पूछताछ की जा सकती है।

48 रेलवे पेंशनधारकों ने बनवाए डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र

लखनऊ, (संवाददाता)। रेलवे पेंशनधारकों की सुविधा के लिए चारबाग स्थित रोलिंग स्टॉक कार्यशाला में डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र शिविर लगाया गया। यहां 48 रेलवे पेंशनधारकों ने डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र बनवाए। चीफ ऑफिस सुपरिंटेंडेंट (सेटेलमेंट) स्वगता डे ने बताया कि शिविर 30 नवंबर तक प्रशासनिक भवन के मुख्य हॉल में सुबह 11 से दोपहर एक बजे तक चलेगा। पेंशनधारकों को आधार कार्ड, पेंशन भुगतान आदेश, पंजीकृत मोबाइल नंबर, बैंक पासबुक साथ लाना अनिवार्य है। पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन की ओर से 17 व 18 नवंबर को हजरतगंज स्थित डीआरएम कार्यालय व बादशाहनगर स्टेशन परिसर में डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र के लिए शिविर लगाया जाएगा।

प्रदेश में लागू हुई स्व-प्रमाणन और थर्ड पार्टी ऑडिट व्यवस्था, निवेशकों के लिए सुलभ होगा औद्योगिक माहौल

लखनऊ(आरएनएस) उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रिलियन डॉलर के स्तर तक पहुंचाने और औद्योगिक वातावरण को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। इसी क्रम में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस नीति के अंतर्गत राज्य में स्व–प्रमाणन व्यवस्था और थर्ड पार्टी ऑडिट योजना लागू कर दी गई है। इस संबंध में शासनादेश 12 नवंबर 2025 को जारी किया गया है ।प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन डॉ. एम.के. शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत कम जोखिम वाले गैर–खतरनाक प्रतिष्ठान या कारखाने यदि स्व–प्रमाणन प्रणाली अपनाते हैं, तो उन्हें पांच वर्ष में केवल एक बार रेंडम आधार पर संयुक्त निरीक्षण का सामना करना होगा। इस निरीक्षण के बाद ऐसे प्रतिष्ठान अगले पांच वर्षों तक निरीक्षण से मुक्त रहेंगे। इससे उद्यमियों को विभागीय हस्तक्षेप से राहत मिलेगी और औद्योगिक कार्य सुचारू रूप से आगे बढ़ सकेंगे ।उन्होंने बताया कि जो कम जोखिम वाले गैर–खतरनाक प्रतिष्ठान स्व–प्रमाणन प्रणाली नहीं अपनाते हैं, उनके साथ–साथ मध्यम जोखिम वाले (खतरनाक) कारखानों के निरीक्षण का कार्य, उद्यमियों की सहमति से राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त थर्ड पार्टी एजेंसियों द्वारा किया जाएगा। इनका निरीक्षण तीन वर्ष में एक बार संपादित किया जाएगा ।स्टार्टअप नीति के तहत स्थापित गैर–खतरनाक श्रेणी के कारखाने, प्रतिष्ठान, इनक्यूबेटर्स और उत्कृष्टता केंद्रों को विशेष छूट दी गई है। ऐसे उद्यम अपनी स्थापना की तिथि से लेकर 10 वर्ष तक या जब तक उनकी स्टार्टअप स्थिति बनी रहती है, तब तक श्रम अधिनियमों के तहत निरीक्षण से मुक्त रहेंगे। केवल श्रम कानूनों के उल्लंघन की सत्यापित शिकायत मिलने या किसी दुर्घटना के घटित होने की स्थिति में ही श्रम आयुक्त, उत्तर प्रदेश की अनुमति से निरीक्षण किया जा सकेगा ।डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने स्पष्ट किया कि केवल उच्च जोखिम वाले (अति–खतरनाक) कारखानों का निरीक्षण विभागीय निरीक्षणकर्ता अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। शिकायत या दुर्घटना की स्थिति में सक्षम अधिकारी की अनुमति से निरीक्षण संपादित किया जाएगा ।उन्होंने कहा कि इस थर्ड पार्टी निरीक्षण प्रणाली के लागू होने से प्रदेश में कम जोखिम वाले कारखाने, दुकानें और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान स्व–प्रमाणन व्यवस्था को अपनाकर निरीक्षण प्रक्रिया से मुक्त हो सकेंगे। इससे उद्योग एवं व्यापार के संचालन में विभागीय हस्तक्षेप समाप्त होगा, निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा, और प्रदेश में निवेशोन्मुखी वातावरण सशक्त रूप से स्थापित होगा। इस पहल से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य तक पहुंचाने में उल्लेखनीय योगदान मिलेगा।

राष्ट्रीय बाल दिवस पर इंदिरा गांधी नक्षत्रशाला में होगा विशेष आयोजन

लखनऊ, (संवाददाता)। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश के अधीन संचालित इंदिरा गांधी नक्षत्रशाला, लखनऊ में राष्ट्रीय बाल दिवस के अवसर पर 14 नवम्बर 2025 (शुक्रवार) को एक दिवसीय विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर न्प्क।प्, भारत सरकार के सहयोग से विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों के लिए एक निःशुल्क आधार कैम्प भी लगाया जाएगा ।यह कैम्प प्रातः 9:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक नक्षत्रशाला परिसर में संचालित होगा, जिसमें आगंतुकों के नए आधार कार्ड निःशुल्क बनाए जाएंगे और पुराने आधार कार्ड में संशोधन या अपडेशन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। बाल दिवस के उपलक्ष्य में नक्षत्रशाला द्वारा विद्यार्थियों के लिए कई खगोल–विज्ञान आधारित प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जा रहा है।

इनमें सूर्य दर्शन कार्यक्रम (दो सौर दूरबीनों के माध्यम से), एस्ट्रोनॉमी चित्रकला प्रतियोगिता, खगोल क्विज प्रतियोगिता तथा एस्ट्रोनॉमी जिंगल लेखन प्रतियोगिता प्रमुख रूप से शामिल हैं ।सभी प्रतियोगिताएं प्रातः 10:00 बजे से प्रारंभ होंगी, जिनमें कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थी निःशुल्क प्रतिभाग कर सकते हैं। प्रतिभागियों को नक्षत्रशाला की ओर से प्रतिभाग प्रमाण–पत्र प्रदान किए जाएंगे, जबकि प्रत्येक प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा 15 नवम्बर 2025 को की जाएगी। विजेताओं को विशेष पुरस्कार और प्रशस्ति–पत्र भी प्रदान किए जाएंगे ।कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों और युवाओं में खगोल विज्ञान के प्रति जिज्ञासा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना है। साथ ही न्प्क।प् कैम्प के माध्यम से नागरिकों को डिजिटल इंडिया मिशन से जोड़ना भी इस आयोजन का एक प्रमुख लक्ष्य है।

विकसित भारत 2047 की दिशा में उत्तर प्रदेश तैयार करेगा कृषि का दीर्घकालिक विजन डॉक्यूमेंट

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने गुरुवार को कृषि भवन सभागार में आयोजित "विकसित उत्तर प्रदेशध् 2047" विषयक प्रेसवार्ता में कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार वर्ष 2047 तक उत्तर प्रदेश को पूर्ण विकसित राज्य बनाने के लिए संकल्पित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "विकसित भारतध्2047" दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार ने सभी विभागों के लिए दीर्घकालिक कार्ययोजनाएं तैयार की हैं, जिनमें कृषि विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है ।उन्होंने बताया कि इसी क्रम में कृषि विभाग ने किसानों की आय बढ़ाने और राज्य को आत्मनिर्भर, समृद्ध व टिकाऊ कृषि अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित करने के लिए एक ठोस कार्ययोजना तैयार की है। इस विषय पर जनसंवाद एवं विचार मंथन कार्यक्रम आगामी 17 नवम्बर 2025 को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मरकरी हॉल में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में नीति आयोग, भारत सरकार के परामर्श से कृषि क्षेत्र का "विजन डॉक्यूमेंट–2047" तैयार किया जाएगा। कार्यक्रम में लगभग 300 कृषि विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, प्रगतिशील कृषक और अधिकारी भाग लेंगे ।कृषि मंत्री शाही ने बताया कि उत्तर प्रदेश देश की कुल कृषि योग्य भूमि का 11 प्रतिशत हिस्सा रखता है और यह देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में 21.58 प्रतिशत योगदान देता है। गेहूँ, चावल, गन्ना और आलू उत्पादन में प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है, जबकि बाजरा, मसूर, राई और सरसों में दूसरा तथा दलहन उत्पादन में चौथा स्थान प्राप्त है। वर्तमान में राज्य में 244.65 लाख मीट्रिक टन आलू (देश का 40.7 प्रतिशत) और 423.54 लाख मीट्रिक टन सब्जियों (देश का 19.3 प्रतिशत) का उत्पादन किया जा रहा है। दूध उत्पादन 414 लाख मीट्रिक टन (16.2 प्रतिशत) और मछली उत्पादन 1330 लाख मीट्रिक टन (8 प्रतिशत) तक पहुँच चुका है। कृषि क्षेत्र की जीएसवीए वर्ष 2016–17 के 2 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2024–25 में 4.37 लाख करोड़ रुपये हो गई है, जो 118.5 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है ।उन्होंने बताया कि विकसित उत्तर प्रदेशध् 2047 की दिशा में कृषि विभाग ने 22 प्रमुख संकल्प लिए हैं, जिनका लक्ष्य कृषि क्षेत्र को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाना है। इन संकल्पों में प्रदेश की संभावित छह ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान सुनिश्चित करना, फसल सघनता को 182 प्रतिशत से बढ़ाकर 250 प्रतिशत तक ले जाना, मृदा जीवांश कार्बन स्तर को 0.3 से बढ़ाकर 1.0 करना, 30 लाख हेक्टेयर बंजर भूमि को कृषि योग्य बनाना, कृषि मशीनीकरण को 75 प्रतिशत तक पहुँचाना, गन्ने की सहफसली खेती को बढ़ावा देना, पाँच बीज पार्कों की स्थापना करना और "हर खेत में मेंड़, हर मेंड़ पर पेड़" अभियान को मूर्त रूप देना शामिल है ।मंत्री शाही ने कहा कि किसानों की आय को तीन गुना करने, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, कृषि निर्यात को 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने, महिला किसानों की भागीदारी बढ़ाने, जैविक उत्पादों का राज्य स्तरीय ब्रांड तैयार करने, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के विस्तार, एग्री–स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने और कृषि डेटा प्रबंधन को डिजिटलीकृत करने पर भी विशेष ध्यान दिया गया है ।उन्होंने कहा कि इन 22 संकल्पों के माध्यम से उत्तर प्रदेश को वर्ष 2047 तक एक विकसित, आत्मनिर्भर और आधुनिक कृषि राज्य के रूप में स्थापित किया जाएगा। इस दिशा में नवाचार, तकनीकी एकीकरण, मूल्य संवर्धन, बाजार विस्तार, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के पुनर्गठन पर विशेष बल दिया गया है।

पुलिस बूथ बिलरियागंज का हुआ भव्य उद्घाटन : क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मिला मजबूत सुरक्षा का आधार

ब्यूरो चीफ राजकुमार जायसवाल

आजमगढ रूबिलरियागंज स्थानीय बिलरियागंज थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर 12 बजे पटवध कौतुक स्थित विद्युत उपकेंद्र के पास निर्मित नए पुलिस बूथ का भव्य उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में जनपद आजमगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार (पै) ने फीता काटकर बूथ का शुभारंभ किया कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) चिराग जैन, क्षेत्राधिकारी सगड़ी अनिल कुमार वर्मा सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। पुलिस बूथ के संचालन एवं क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को अधिक चुस्त–दुरुस्त करने के उद्देश्य से इसे प्रारंभ किया गया है। उद्घाटन के अवसर पर थानाध्यक्ष बिलरियागंज सुनील कुमार दुबे द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में एस एस पी डॉ. अनिल कुमार को फूल का गुच्छा देकर स्वागत किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पुलिस बूथ क्षेत्र में त्वरित पुलिस सहायता, ट्रैफिक प्रबंधन और कानून–व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने गोपालपुर क्षेत्र के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सत्येंद्र राय तथा उपस्थित क्षेत्र के सम्मानित लोगों से थाने के लिए जमीन उपलब्ध कराने की बात कही उन्होंने बताया कि थाना के नवनिर्माण के लिए शासन से कई बार पैसा आया और जमीन न मिलने के कारण वापस चला गया। यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है इसमें आप सब सहयोग करें। इस अवसर पर गोपालपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सतेन्द्र राय, पटवध गांव के प्रधान पति सुरेश्वरी दत्त उपाध्याय, बिलरियागंज मंडल अध्यक्ष रूद्रप्रकाश राय, दीपक मिश्रा, सूर्य प्रताप लाल श्रीवास्तव, सागर सिंह, शर्मानंद पांडे, दुर्गा गुप्ता, वीरेंद्र विश्वकर्मा, दीपक मिश्रा सहित सैकड़ों ग्रामीण एवं सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे।स्थानीय लोगों ने पुलिस बूथ के उद्घाटन को क्षेत्र के लिए लाभकारी बताते हुए कहा कि इससे छोटे–छोटे विवाद, सुरक्षा संबंधी समस्याएं और त्वरित कार्रवाई में पुलिस को आसानी होगी। कार्यक्रम के दौरान पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच मधुर संबंध बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया गया।पुलिस बूथ का शुभारंभ क्षेत्र में सुरक्षा और शांति व्यवस्था को नई मजबूती प्रदान करेगा, ऐसी उम्मीद जताई जा रही है। वहां पर पर्याप्त जमीन होने के कारण एस एस पी डॉक्टर अनिल कुमार ने पुलिस चौकी बनाने की घोषणा किए।

फार्मर रजिस्ट्री के कार्यों की प्रगति की नियमित समीक्षा जारी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।,अपर जिलाधिकारी भू–राजस्व ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री के कार्यों की प्रगति की नियमित समीक्षा एवं समुचित पर्यवेक्षण हेतु जिला कन्ट्रोल रूम द्वारा 13 एवं 14 नवम्बर 2025 को रैण्डम आधार पर तहसील के लेखपालों से दूरभाष पर वार्ता कर उनके द्वारा किये गये फार्मर रजिस्ट्री की जानकारी प्राप्त की गयी। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री कृषक सम्मान योजना का लाभ उन्ही कृषकों को प्रदान किया जाना है जिनका पंजीकरण फार्मर रजिस्ट्री के अन्तर्गत कराया जा चुका है। ऐसी दशा में अवशेष कृषको का पंजीकरण न होने से उन्हें प्रधानमंत्री कृषक सम्मान योजना के लाभ से वंचित रहना पड़ सकता है। तहसीलों में कार्यरत कतिपय लेखपालों द्वारा फार्मर रजिस्ट्री में प्रशंसनीय कार्य किया गया है परन्तु कुछ लेखपालों द्वारा फार्मर रजिस्ट्री की शून्य सूचना कन्ट्रोल रूम को उपलब्ध करायी गयी है। जिलाधिकारी द्वारा शून्य कार्य किये जाने पर घोर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए समस्त उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदार को चेतावनी प्रदान करते हुए निर्देशित किया गया है कि फार्मर रजिस्ट्री के कार्यों में रूचि न लेने वाले कार्मिकों का उत्तरदायित्व निर्धारित कर उनके विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित कराये तथा शून्य प्रगति वाले लेखपालों का एक दिन का वेतन भी बाधित किया जाए। 13 एवं 14 नवम्बर 2025 तहसील सदर लेखपालगण जौनपुर विकास कुमार व जयप्रकाश यादव, लेखपाल मड़ियाहूं स्वदेश पाण्डेय, लेखपाल मछलीशहर अजय प्रसाद तथा लेखपालगण तहसील शाहगंज अमरजीत यादव, रितेश यादव, सत्येन्द्र यादव व शशि यादव द्वारा कन्ट्रोल रूम को शून्य प्रगति दर्ज करायी गयी।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा की ऐतिहासिक बिहार जीत पर शिवेंद्र सिंह ने प्रदेशवासियों को दी बधाई

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक विजय पर जिला अध्यक्ष प्रमुख संघ शिवेंद्र सिंह ने कार्यकर्ताओं, समर्थकों और प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह जीत राष्ट्रवादी विचारधारा, विकास एवं सुशासन के प्रति जनता के अटूट विश्वास का परिणाम है। शिवेंद्र सिंह ने चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सभी कार्यकर्ताओं को "साथियों का सम्मान" मानते हुए विशेष धन्यवाद दिया। शिवेंद्र सिंह ने कहा कि जनता ने एक बार फिर यह साबित किया है कि वह विकास, पारदर्शिता और मजबूत नेतृत्व के साथ है। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा आगामी समय में भी जनहित के कार्यों को सर्वोपरि रखते हुए नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेगी। कार्यकर्ताओं में जीत को लेकर उत्साह का माहौल है और सभी ने नेतृत्व को मजबूती देने का संकल्प दोहराया। तो वहीं बिहार जीत का जश्न मनाते हुए नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि ये जीत प्रधानमंत्री जी के कुशल मार्गदर्शन व कुशल संगठनकर्ता देश के गृहमंत्री अमित शाह जी के नेतृत्व में बिहार की जनता ने एनडीए भाजपा को पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने का जनादेश दिया है।2027 में भी उत्तर प्रदेश में बीजेपी की सरकार बनेगी जनता समझ चुकी है कि देश व प्रदेश का विकास सिर्फ बीजेपी की ही सरकार कर सकती है।

'छूटे पात्र लाभार्थियों को चिन्हित करें और उन्हें पात्रता के आधार पर सभी कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करायें– जिलाधिकारी'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में तहसील शाहाबाद सभागार में किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने उपस्थित जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में भारत एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से छूटे पात्र लाभार्थियों को चिन्हित करें और उन्हें पात्रता के आधार पर सभी कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करायें। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार की मंशानुसार पीड़ितों को न्याय एवं गरीबों को सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ प्रातः 10 से 12 बजे तक कार्यालय में बैठकर विभाग से संबंधित शिकायत लेकर आने वाले फरियादियों की शिकायत ध्यान से पढ़े और शिकायत का निष्पक्ष एवं गुणवत्तापरक ससमय निस्तारण करायें। सम्पूर्ण समाधान

दिवस में सरकारी तथा गरीबों की भूमि पर अवैध कब्जों की शिकायत पर जिलाधिकारी ने राजस्व विभाग के कानूनगो एवं लेखपालों को निर्देश दिये भूमि पर अवैध कब्जों के संबंध में प्राप्त सभी शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुए उच्चाधिकारियों की उपस्थित में पुलिस बल के सहयोग से समस्त अवैध भूमि के कब्जे खाली कराये और भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों के विरूद्व एफआईआर दर्ज कराकर कड़ी कार्यवाही करायें। इस अवसर पर राशन वितरण में अनियमितताओं की शिकायत पर जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी से कहा कि नोडल अधिकारियों की उपस्थित में राशन वितरण करायें और राशन वितरण में अनियमितता बरतने वाले कोटेदारों पर कठोर कार्यवाही करें। विद्युत विभाग की शिकायतों पर डीएम ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि विद्युत उपभोक्ताओं के फोन अनिवार्य रूप से उठाये और प्राप्त शिकायतों का त्वरित निस्तारण का प्रयास करें

संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने सुनी फरियादियों की समस्याएँ

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में तहसील बदलापुर के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। समाधान दिवस में तहसील बदलापुर के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगो की समस्याओं एवं शिकायतों को जिलाधिकारी ने गंभीरता से सुना तथा त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। फत्तुपुर, बदलापुर निवासिनी पूनम गौतम द्वारा वरासत ऑनलाइन होने के बावजूद दर्ज न होने की शिकायत की गई, जिस पर जिलाधिकारी के द्वारा कानूनगो पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी जिसके क्रम में तत्काल वरासत में नाम दर्ज कराते हुए उन्हें अवगत कराया गया। सुभाष चंद्र मौर्य निवासी बैरमा गडवारा बदलापुर ने चक मार्ग पर कब्जा को खाली कराने तथा अतिक्रमण हटवाने संबंधी प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया जिसपर जिलाधिकारी के द्वारा उपजिलाधिकारी बदलापुर को प्रकरण का निस्तारण करने के निर्देश दिये गये। सुनीता देवी निवासी रारी ने आबादी एवं पट्टे की भूमि पर अवैध कब्जा हटाने की मांग की, जिसपर राजस्व निरीक्षक को प्रकरण का निस्तारण करने के निर्देश दिये गये। फूलचंद्र निवासी कदौदा, तहसील बदलापुर ने प्रार्थना पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि उनके बगल में स्थित नहर को भूमाफियाओं के द्वारा जबरन काटकर अपने खेत में मिला लिया गया है, जिसके कारण सिचाई करने में समस्या उत्पन्न हो रही है, जिस पर जिलाधिकारी के द्वारा शिकायत की जांच कर नियमानुसार कार्यवाही करते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने अनुपस्थित अधिकारियों एसपी ग्रामीण, सीएमओ, सीओ, उपनिदेशक कृषि, एक्सईएन सिंचाई, जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित अन्य के प्रति नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त सभी शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

'पाली थाने का हुआ त्रैमासिक निरीक्षण'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' शाहाबाद क्षेत्राधिकारी आलोक राज नारायण ने शुक्रवार को पाली थाने का त्रैमासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाने की व्यवस्थाओं को परखा। निरीक्षण के दौरान एएसपी ने माल खाना,बैरक,मेस,कार्यालय,कंप्यूटर रूम,महिला हेल्पडेस्क,थाना परिसर

की स्वच्छता आदि सभी व्यवस्थाओं को बारीकी से देखा। उन्हें सभी व्यवस्थाएं चाक चौबंद मिलीं। उन्होंने पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये और कहा कि जन शिकायती प्रार्थना पत्रों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ससमय कराया जाए जिससे पीड़ित व्यक्ति को जल्द न्याय मिल सके।साथ ही उन्होंने एंटी राइट उपकरणों के संचालन का अभ्यास भी कराया। इस दौरान थाना प्रभारी सोमपाल गंगवार, उपनिरीक्षक सहित पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

पद यात्रा का मुख्य उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय गौरव, एकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है : गिरीश चंद्र यादव

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में शुक्रवार को जौनपुर में एक पदयात्रा का आयोजन किया गया। सदर विधानसभा क्षेत्र में उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री गिरीशचंद्र यादव के नेतृत्व में यह पदयात्रा निकाली गई। इसका उद्देश्य सरदार पटेल के विचारों और एक भारत, श्रेष्ठ भारत के एकता के संदेश को जन–जन तक पहुंचाना था। यह पदयात्रा सुबह 7रू30 बजे सिद्दीकपुर स्थित राजहंस मैरिज लॉन से शुरू हुई। यह कुत्तुपुर चौराहा, विष्णु मोटेल (सुखेपुर), कोतवाली चौराहा, चहारसू चौराहा, ओलंदगंज और जोगियापुर से होते हुए आगे बढ़ी जहां लोगों द्वारा पद यात्रा का फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया। यात्रा का समापन कलेक्ट्रेट स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके बाद एक जनसभा का आयोजन किया गया, जिसमें मंत्री गिरीशचंद्र यादव ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन और योगदान पर प्रकाश डाला। मंत्री गिरीशचंद्र यादव ने बताया कि पूरे देश में श्विकसित भारत पदयात्राओंश का आयोजन किया जा रहा है। यह राष्ट्रव्यापी अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्जनभागीदारी से राष्ट्र निर्माणश के विचार से प्रेरित है। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय गौरव, एकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि इस पहल के तहत, युवा से लेकर बुजुर्गों तक सभी को भारत के

गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए एक विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। मंत्री ने जोर दिया कि सरदार वल्लभभाई पटेल का देश के लिए जो योगदान है, उसे भुलाया नहीं जा सकता। गिरीशचंद्र यादव ने आगे कहा कि सरदार पटेल ने सभी रियासतों को एक सूत्र में पिरोने का काम किया था। हम सभी उनके पदचिन्हों पर चलने का काम कर रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों को भी उनके आदर्शों का पालन करने की आवश्यकता है।

संक्षिप्त खबरें

खेल संस्कृति को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हैं : इंद्र नंदन सिंह

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में स्थित मोहम्मद हसन पी.जी. कॉलेज के खेल मैदान पर 49वीं जूनियर बालक इंटर जोनल (सुपर लीग) राज्य स्तरीय कबड्डी चौंपियनशिपदृ2005 का भव्य और गरिमामय उद्घाटन शनिवार को किया गया। मुख्य अतिथि सिटी मजिस्ट्रेट इंद्रनंदन सिंह तथा कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। राज्यस्तरीय सुपर लीग 15 से 17 नवंबर तक आयोजित की जा रही है, जिसमें प्रदेश की सर्वश्रेष्ठ सुपरदृ 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इसी प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर उत्तर प्रदेश की टीम का चयन किया जाएगा, जो आगामी ऑल इंडिया कबड्डी चौंपियनशिप में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी। उद्घाटन मैच मुजफ्फरनगर और कुशीनगर के बीच खेला गया, जिसमें शानदार प्रदर्शन करते हुए

मुजफ्फरनगर की टीम विजयी रही। मुख्य अतिथि इंद्रनंदन सिंह ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा, "खेल न सिर्फ अनुशासन सिखाते हैं, बल्कि मानसिक और शारीरिक विकास का सबसे प्रभावी माध्यम भी हैं। ऐसे आयोजन जौनपुर की खेल संस्कृति को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हैं।ष उन्होंने जिला कबड्डी एसोसिएशन को उत्कृष्ट एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए बधाई भी दी। कार्यक्रम में एशियाड गोल्ड मेडलिस्ट एवं अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी किरनपाल सिंह, मोहम्मद हसन इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य नासिर खाना, जिला कबड्डी सचिव रवि चंद्र यादव, उत्तर प्रदेश कबड्डी के टेक्निकल चेयरमैन सुरेश सिंह, राकेश कुमार यादव, लाल साहब यादव, राजेश सिंह मुन्ना, अतुल प्रकाश यादव, आनंद यादव, अखिलेश यादव, सर्वेश, अमित, मो. किरमानी, निर्णायक जयशंकर पांडेय, अवनीश कुमार राय, मोहम्मद अकरम, रामपाल, नरेंद्र सिंह, संजीव सिंह, जय नारायण दुबे सहित अनेक खिलाड़ी व पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. राजेश सिंह एवं मंगल यादव ने किया।

एल.पी.एस. में बाल दिवस पर बच्चों ने किया अष्टांग योग

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक कॉलेज ए–ब्लॉक राजाजीपुरम में आज आयुर्वेद एवं अष्टांग योग जागरूकता शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्राकृतिक स्वास्थ्य, संतुलित जीवनशैली और योग के महत्व को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. एस.पी. सिंह, आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, आयुष विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार उपस्थित रहे। डॉ. सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए बताया कि सही आहार–विहार अपनाकर तथा चाऊमीन, पिज़्ज़ा, बर्गर और समोसा जैसे जंक फूड से दूरी बनाकर शरीर को स्वस्थ और निरोगी रखा जा सकता है। उन्होंने मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से बचने और समय के सही उपयोग पर भी जोर दिया।

जब अखिलेश यादव हार जाते है वो ईवीएम व सरकार पर दोष को देते है अखिलेश यादव को कभी जनादेश नही मिला : गिरीश चंद्र यादव

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में सीहीपुर स्थित भाजपा कार्यालय पर शुक्रवार को राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र यादव व भाजपा जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने बिहार विधानसभा में चुनाव में हुए मतगणना में भाजपा के भारी जीत पर एक दूसरे को लड्डू खिलाकर व आतिश बाजी के बीच नाचते नजर आए।इस मौके पर राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने कहा कि बिहार की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर विश्वास करके जीत दिलाई है। योजनाओं का लाभ मिलने से बिहार की जनता ने दोबारा एनडीए की सरकार बनाई है। अखिलेश यादव के भाजपा दल नही छल पार्टी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि खिसियानी बिल्ली खम्भा नोचे की हालत है उनकी, जब वो हारते हुए है। तो वो कहते है कि भाजपा ऐसी पार्टी है।वैसी पार्टी है।सरकार ऐसी ,प्रशासन ऐसी है आरोप लगाते है। जब जीत जाते है तब किसी पर आरोप नही लगाते है।बिहार में एसआईआर के आरोप पर कहा कि पूरे पारदर्शिता के साथ चुनाव हो इसलिए एसआई आर लागू होता है।जब अखिलेश यादव हार जाते है वो ईवीएम व सरकार पर दोष देते है। अखिलेश यादव को कभी जनादेश नही मिला।उनको वरासत और विरासत के आधार पर सत्ता मिली थी।राहुल गांधी को पहले पता था कि हम चुनाव हारने वाले है इसलिए पहले विदेश चल गए।राहुल को पता नही है कि बिहार की जनता का मूड क्या है क्या चाहती है। राहुल गांधी कभी मंदिरों में जाते है कभी मस्जिद

पर जाकर कभी नाव से नदी में कूद कर मछली मारने का नाटक करने का काम करते है। जनता समझती है जिसको ये पता नही की गन्ना और सरपट में अंतर नही है।वो देश और बिहार के बारे में क्या जानेगा।इस मौके पर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, इंजी महामंत्री अमित श्रीवास्तव , कृष्ण कुमार जायसवाल,सुरेंद्र सिंघानिया ,पंकज श्रीवास्तव,आयुष अस्थाना,धर्मपाल कन्नौजिया ,डीसीएफ चेयरमैन धनंजय सिंह, सीपीन सिंह रोहन सिंह पीयूष गुप्ता अनिल गुप्ता,राजू दादा दिव्यांशु सिंह अजय यादव प्रबुद्ध दुबे ओम प्रकाश सिंह आशुतोष सिंह,आदि लोग मौजूद रहे।

विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण शुरू बीएलओ घर–घर जाकर बांट रहे गणना फॉर्म

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । यूपी के जौनपुर में विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान शुरू हो गया है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, इस प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाया जा रहा है। बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर–घर जाकर मतदाताओं को गणना फॉर्म वितरित कर रहे हैं। शनिवार को फॉर्म बांटते हुए नगर के उमरपुर वार्ड 9 की बीएलओ मंजू वर्मा ने बताया कि उन्हें दिए गए फॉर्म घर–घर पहुंचाए जा रहे हैं। मतदाताओं को फॉर्म भरने का सही तरीका समझाया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि जिन लोगों को फॉर्म भरने में दिक्कत आ रही है, उनकी मदद के लिए बीएलओ खुद फॉर्म भर रहे हैं। मंजू वर्मा के अनुसार, उन्होंने प्रत्येक घर में एक भरा हुआ नमूना फॉर्म भी दिया है ताकि मतदाताओं को आसानी हो। फॉर्म भरने के बाद, बीएलओ भरे हुए फॉर्म एकत्र करेंगे और मतदाताओं को उसकी रसीद प्रदान करेंगे। इस संबंध में मतदाता रविंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि उनके घर बीएलओ आई थीं और परिवार के 12 सदस्यों के लिए फॉर्म देकर गई हैं। बीएलओ ने उन्हें फॉर्म भरने का पूरा तरीका समझाया। उन्होंने यह भी बताया कि फॉर्म में लगी पुरानी फोटो के बगल में एक वर्तमान फोटो लगानी होगी।

कोकोकोला प्राइवेट लिमिटेड कंपनी मे सेल्स एग्जीक्यूटिव पद पर तैनात जगदंबा गुप्ता पंच तत्व मे विलीन,नम आँखों सें लोगो ने दी विदाई

अयोध्या।शहर के अश्वनीपुरम कालोनी निवासी व कोकोकोल लिमिटेड कंपनी मे सेल्स एग्जीक्यूटिव पद पर तैनात मृदुभाषी,व्यवहार कुशल 38 वर्षीय जगदंबा गुप्ता की मौत हार्ट अटैक से शुक्रवार की शाम हो गई।उनकी आसायमिक मौत की सूचना से अश्विनीपुरम कॉलोनी के साथ–साथ आसपास के क्षेत्र में तथा कोकोकोला कंपनी में शोक की लहर दौड़ पड़ी।उनके मौत की सूचना पाते ही कोकोकोला कंपनी के अधिकारी, कर्मचारी,भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व सांसद लल्लू सिंह के पुत्र विकास सिंह सहित कई लोगों का भारी संख्या मे मृतक जगदंबा गुप्ता की मौत पर शोक संवेदना व्यक्त करने तथा मृतक के परिजनों को इस दुख की घड़ी मे ढाढस बधाने का देर रात तक तांता लगा रहा।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।